वर्ष : 10 • अंक : 37 • जुलाई-सितम्बर 2023 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(International Peer Reviewed Refereed Journal of Multidisciplinary Research)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

रूपेश कुमार चौहान
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक
द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।
दूरभाष संख्या-09555222747, 9267944100, 9555666907
Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vsirj.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 3500 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण नि:शुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**

*** शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **डॉ. एम.एस. चौहान**
(निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान, करनाल, हरियाणा)
- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
(पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
(अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
(संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
(पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
(प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. कमला उपाध्याय**
(विभागाध्यक्षा, संस्कृत, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रसाल सिंह**
(प्रोफेसर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **प्रो. राजेश रंजन**
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. मनीष सिन्हा**
(अध्यक्ष, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. एम. रहमतुल्लाह**
(कंसल्टिंग एडिटर, दूरदर्शन न्यूज, भारत सरकार)

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya-*823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• Mrs Kirthee Devi Ramjatton
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747
www.vsirj.com

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. वी.के. यादव**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **प्रो. दिलीप कुमार झा**
(प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. जितेन्द्र कुमार**
(असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण स्मारक महाविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय)
- **डॉ. देवेन्द्र नाथ ओझा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, एमिटी इंस्टीट्यूट फॉर संस्कृत स्टडीज, एण्ड रिसर्च, एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश, नोएडा)
- **डॉ. राजमोहिनी सागर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. वी.के. तोमर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **डॉ. के.के. झा**
(सीनियर लेक्चरर, हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **प्रो. सुभाष कुमार सिंह**
(प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. चन्द्रशेखर राम**
(प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-कार्य, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)
- **डॉ. कुमारी शुभ्रा**
(प्रख्यात लेखिका एवं साहित्यकार, दिल्ली)
- **डॉ. लालजी**
(एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

संरक्षक :

प्रो. मदन मोहन अग्रवाल
पूर्व अध्यक्ष एवं संकाय अध्यक्ष,
संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

प्रो. दलवीर सिंह चौहान
पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, बिहार

प्रो. राजवीर शर्मा
पूर्व उपाचार्य, राजनीति शास्त्र विभाग,
आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय ..... *viii*

समकालीन हिंदी ग़ज़ल में मानवीय मूल्य के स्वर ... 1
आशीष कुमार

कलियुग प्रेम में चित्रित जीवन 6
डॉ. राम किशोर यादव

राम की शक्तिपूजा में अभिव्यक्त निराला का आत्मसंघर्ष 11
सारांश वशिष्ठ

हिंदी भाषा की वैश्विक स्थिति और चुनौतियों का अध्ययन 16
डॉ. धनंजय कुमार

डॉ. अम्बेडकर के लिए आदर्श पत्रकार 21
डॉ. ऋतु कोहली / डॉ. नरेन्द्र कुमार संत

स्त्रियों की दर्द कथा का महाख्यान : बिदेसिया 28
डॉ. अरविन्द कुमार सम्बल

योग का स्वरूप 40
डॉ. मंजुला गुप्ता

नागार्जुन : जीवन और साहित्य 44
ओम प्रकाश झा / डॉ. काली चरण झा

राजनैतिक हिंसा और अलगाववाद : वैश्विक परिप्रेक्ष्य में चुनौतियाँ और संभावनाएँ 48
देवा राम

1857 की क्रांति संबंधी कर्मेंदु शिशिर का चिंतन.. 53
जुगनू कुमारी

संत पीपा के काव्य पर शोध कार्य की आवश्यकता 56
डॉ. हवासिंह

अभिज्ञानशाकुन्तलम् में भारतीय संस्कृति का संरक्षण..... 61
डॉ. शीला कुमारी

भूमिज लोक-कथाओं में पर्यावरण चिंतन एवं संरक्षण..... 65
कृष्ण चंद्र सिंह

फैजाबाद में पत्रकारिता का सफर : ब्रिटिश काल से वर्तमान तक..... 68
डॉ. राज नारायण पाण्डेय / डॉ. राजकिशोर

प्राचीन स्थापत्य ग्रन्थों में वर्णित नगर-निवेश का विवेचन 73
नेहा भाटी / खुशबू भाटी

व्याकरणशास्त्रे सवर्णसंज्ञाविमर्शः 81
पूजा सैनी

वाल्मीकि रामायण में अष्टाङ्गयोगान्तर्गत तप का विवेचन 84
आचार्य स्वर्णमन्दारः

राहुल सांकृत्यायन के ऐतिहासिक उपन्यासों में यात्रा-प्रसंग 86
राजन कुमार

प्रेमचन्द के उपन्यासों में स्त्री अस्मिता 92
डॉ. ज्योति शर्मा

रामायण में वर्णित ऋषिजन..... 97
डॉ. प्रीति कौशिक

अनुसूचित जनजातियों में शिक्षा की स्थिति : नीतिगत स्तर की कुछ चुनौतियां 105
शिव कुमार मीणा

भारतीय लोक जीवन और बहुलतावाद 113
डॉ. नरेन्द्र कुमार द्विवेदी

संत पीपा के काव्य में नारी चेतना 117
डॉ. हवासिंह

अनामिका के काव्य में स्त्री का स्त्रीपन..... 122
मीना कुमारी

बालभारतमहाकाव्ये प्रमुखपुरुषपात्राणां चरित्रचित्रणम् 126
डा. चुमकी साहा

तुलसी की दृष्टि में नारी की स्थिति 133
डॉ. कुमारी अनीता

बदलते वैश्विक परिदृश्य में नृजातीयता : एक समग्र अध्ययन..... 137
रंजन सिंह यादव / प्रो. (डॉ.) अखिलेश्वर शुक्ला

आधुनिक चीन के इतिहास में अफीम युद्ध..... 141
शशि रंजन / प्रो. आशा रानी

इलाचन्द्र जोशी के उपन्यास 'पर्दे की रानी' के प्रमुख स्त्री पात्रों की मानसिक स्थिति का अध्ययन 145
आरती मीना
कलचुरी राजवंश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि..... 150
अनुराग नारायण पाठक
वैश्विक संस्कृति में एकरूपता और विविधता... 156
केशव देव पटेल
भारत और कोरिया के बीच सांस्कृतिक संपर्क.. 159
संतोष कुमार गुप्ता
भारत में राजनीतिक भ्रष्टाचार एक चुनौती..... 164
शंभू
भारत अफ्रीका मंच शिखर सम्मलेन की प्रासंगिकता..... 171
प्रशान्त कुमार
नई शिक्षा नीति में पर्यटन : एक वैकल्पिक विषय..... 178
सुनीता मैनी
भारतीय दार्शनिक परंपरा में पर्यावरण चिंतन.. 180
अलका दहिया

सम्पादकीय

भारत के चन्द्रमा पर पहुंचने का सपना 'भारतरत्न' पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का था। लालकिले की प्राचीर से अटल बिहारी वाजपेयी ने 15 अगस्त 2003 में चन्द्रयान प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। इस प्रोजेक्ट को 2008 में लांच किया गया। 23 अगस्त 2023 शाम 6:04 पर चंद्रयान-3 लैंडर 'विक्रम' की लैंडिंग सफल रही, और भारत दुनिया की चौथी अंतरिक्ष महाशक्ति बन गया। 23 अगस्त से 5 सितंबर के बीच दक्षिणी ध्रुव पर धूप निकलेगी जिसकी मदद से चंद्रयान का रोवर चार्ज हो सकेगा और अपने मिशन को पूरा करेगा। आप सब जानते ही हैं कि चन्द्रयान-3 के लैंडर का नाम ''विक्रम'' है और रोवर का नाम ''प्रज्ञान'' है। इसके साथ-साथ यह भी याद रखिए कि एक चन्द्र दिवस पृथ्वी के 14 दिन के बराबर होता है। इससे पहले 22 जुलाई 2019 को श्रीहरिकोटा के जी.एस.एल.वी. मार्क-3 द्वारा चंद्रयान-2 लांच किया गया था। यह चंद्रयान-2, 20 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश भी कर गया था लेकिन 2 सितंबर को चांद की ध्रुवीय कक्षा में चांद का चक्कर लगाते समय विक्रम लैंडर अलग हो गया और चन्द्रयान-2 असफल रहा।

इस असफलता के बाद जब 23 अगस्त 2023 को चन्द्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग हुई। चंद्रयान-3 का जब पहला संदेश आया कि-मैं चांद पर पहुंच गया हूं और भारत भी। यह संदेश अपने आप में अद्‌भुत और अविश्वसनीय था। यह 140 करोड़ भारतीयों के आकांक्षाओं और सपनों के सच होने जैसा था। अमृतकाल की प्रथम प्रभा में सफलता की यह अमृतवर्षा थी।

आप यह जानकर हतप्रभ रह जाएंगे कि अमेरिका ने वर्ष 1969 में चंद्रमा पर जब पहला कदम रखा था। उस मिशन का नाम अमेरिका ने अपोल-11 दिया था। उस मिशन की लागत 355 मिलियन डॉलर थी जो 2023 की चन्द्रयान-3 से कहीं अधिक थी, इसरो के पूर्व अध्यक्ष के सिवन के अनुसार, चन्द्रयान-3 की कुल लागत लगभग-615 करोड़ रुपए है। इससे कहीं अधिक 1600 करोड़ रुपए लूना-25 की लगात थी जो चन्द्रमा पर लैंडिंग के समय क्रैश हो गया था।

प्रज्ञान रोवर को चांद पर ऑक्सीजन, सल्फर, अल्मुनियम, कैल्शियम, आयरन, क्रोमियम, टाइटेनियम, सिलिकॉन मैंगनीज मिले हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर चांद पर रोवर हाइड्रोजन की खोज कर लेता है तो चांद पर पानी की खोज में बड़ा कदम हो सकता है। भाषा साहित्य का विद्यार्थी होने के कारण वैज्ञानिक शब्दावली और समझ कम होने के बावजूद हमने इसरो के सभी महत्वपूर्ण घोषणाएं समझने का प्रयास किया और यह सम्पादकीय उसी का संक्षिप्त रूप है। एक महत्वपूर्ण बात जो इसरो के माध्यम यह पता चली कि चांद पर वैज्ञानिकों के अनुसार अधिकतम तापमान 30 डिग्री तक हो सकता है लेकिन जब चन्द्रयान-3 ने बताया कि चन्द्रमा की मिट्‌टी का तापमान शून्य से 70 डिग्री तक का होता है तब से वैज्ञानिक सहित सहृदय कवि सब भी हैरान हैं कि जिस चांद की शीतलता के लिए इतने कसीदे पढ़ें जबकि चांद बहुत हॉट है।

अंत में, इसरो की बेमिसाल उपलब्धियां गौरवान्वित करती हैं। कई महत्वपूर्ण मिशन लाइनप हैं-एक सौर वेधशाला, आदित्य एल-1, शुक्र ग्रह के लिए मिशन और पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान-गगनयान मिशन सबके लिए शुभकामनाएं इसरो को। चन्द्रयान-3 की सफलता से देश की वैज्ञानिक प्रगति में जो एक महत्वपूर्ण स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। देश की यह उपलब्धि सम्पूर्ण विश्व और मानवता के लिए किस प्रकार कल्याणकारी है, इस विषय पर हिन्दी में शोधपत्र वाक् सुधा में प्रकाशित हों, यह हमारी व्यक्तिगत इच्छा है।

डॉ. राजेश कुमार
उपसम्पादक